Publication: Rajasthan Patrika
Place: Bangalore
Page No: 4

Date: 29-03-09

राजस्थान पत्रिका

शाही सफर की पहचान 'गोल्डन चैरियट'

शाही रेल गोल्डन चैरियट की यात्रा का एक वर्ष पूरा

विश्व प्रसिद्ध पुस्तिका 'वैनिटी फेयर' ने की प्रशंसा

कार्यालय संवाददाता

बेंगलूरु, 28 मार्च। देश की तीन शाही रेलों में शुमार प्रदेश की शाही रेल गोल्डन चैरियट के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। विश्व पर्यटन की खूबियों को जग-जाहिर करने के लिए प्रसिद्ध पुस्तिका 'वैनिटी फेयर' ने अपने अप्रेल, 2009 के अंक में इस रेल की यात्रा को विश्व की खूबसूरत यात्राओं में स्थान दिया है। इस उपलब्धि से न केवल प्रदेश के पर्यटन विभाग का सम्मान बढ़ा है, बल्कि हमारी समृद्ध विरासत को भी सफलताओं के पंख लग गए हैं। इस सफलता से उत्साहित कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक विनय लूथरा ने अपनी और विभाग की उपलब्धियों के मौके पर राजस्थान पत्रिका से अपनी खुशी साझा की, साथ ही विभाग की ओर से चलाई जा रही भविष्य की योजनाओं व उनके क्रियान्वयन पर खुलकर चर्चा की।

पैलेस ऑन व्हील्स से मिली प्रेरणा

तमाम सुख-सुविधाओं से युक्त गोल्डन चैरियट का विचार हमारे जेहन में राजस्थान की शाही रेल पैलेस ऑन व्हील्स को देखकर आया। उस रेल की शाही भव्यता और उसके जरिए वहां की कला व संस्कृति की झलक को देखकर हमने भी सोचा क्यों न ऐसा ही प्रयोग हम भी करें। बस, फिर जुट गए अपने लक्ष्य को साधने में और कड़ी मेहनत का परिणाम आज सबके सामने है।

चालन में विभाग की ओर से अपनाया गया कुशल प्रबंधन भी शामिल है। रेल के लिए हमने न केवल विदेशों में रोड शो किए, बल्कि विश्व के छह बड़े देशों में इसके आरक्षण की सुविधा के लिए प्रतिनिधि भी नियुक्त किए हुए हैं।

बाहर से ही झलकती है खूबसूरती

प्रदेश की कला व संस्कृति की पहचान को ध्यान में रखकर बेंगलूरु में डिजाइन की गई इस रेल की खूबसूरती का अंदाजा बाहर से देखकर ही लगाया जा सकता है। 88 पर्यटकों की कुल क्षमता वाली इस सात सितारा शाही रेल में कुल 19 बोगियां हैं। 10 मार्च 2008 को पटरियों पर पहली बार दौड़ी यह रेल अपने शाही सफर का आगाज सोमवार को बेंगलूरु जं. से करती है।

बढ़ाया जाएगा चैरियट का शाही सफर

बकौल लूथरा, 16 वीं शताब्दी की ऐतिहासिक व राजविलासी सुंदरता को समर्पित आठ दिन तक की यात्रा वाली इस रेल में फिलहाल पर्यटकों को बेंगलूरु, मैसूर, हासन, हम्पी, बादामी, पट्टदकल व गोवा के विभिन्न रमणीय स्थानों का भ्रमण कराया जा रहा है। पहले वर्ष में ही 35 प्रतिशत यात्रियों के लक्ष्य को हासिल कर चुकी चैरियट के शाही सफर में भविष्य में तमिलनाडु व केरल को भी शामिल करने की योजना है।